हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’ - ‘यह दीप अकेला’ और ‘मैंने देखा, एक बूँद’ (काव्य खंड)

10 बहुविकल्पी प्रश्न (MCQ)

1. ‘यह दीप अकेला’ के कवि कौन हैं?

A) जयशंकर प्रसाद

B) सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’

C) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’

D) सुमित्रानंदन पंत

उत्तर: C) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’

2. अज्ञेय का मूल नाम क्या है?

A) हरिवंशराय

B) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन

C) रामकुमार वर्मा

D) सूर्यकुमार

उत्तर: B) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन

3. ‘यह दीप अकेला’ कविता का मुख्य संदेश क्या है?

A) एकांत की महिमा

B) व्यक्ति की निरर्थकता

C) व्यक्ति का समाज से जुड़ना

D) प्रकृति-सौंदर्य

उत्तर: C) व्यक्ति का समाज से जुड़ना

4. ‘यह दीप अकेला’ में दीप किसका प्रतीक है?

A) प्रकृति का

B) व्यक्ति का

C) समाज का

D) ईश्वर का

उत्तर: B) व्यक्ति का

5. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता में बूँद किसका प्रतीक है?

A) सागर का

B) जीवन के क्षण का

C) मृत्यु का

D) दुःख का

उत्तर: B) जीवन के क्षण का

6. अज्ञेय किस साहित्यिक प्रवृत्ति से जुड़े माने जाते हैं?

A) छायावाद

B) प्रगतिवाद

C) प्रयोगवाद / नई कविता

D) द्विवेदी युग

उत्तर: C) प्रयोगवाद / नई कविता

7. 'यह दीप अकेला' कविता में दीप को 'स्नेह भरा, गर्व भरा, मदमाता' क्यों कहा गया है?

A) उसकी सुंदरता के कारण

B) उसकी शक्ति और आत्मविश्वास के कारण

C) उसकी चमक के कारण

D) उसकी पूजा के कारण

उत्तर: B) उसकी शक्ति और आत्मविश्वास के कारण

8. 'मैंने देखा, एक बूँद' में बूँद का क्षणिक रंगना किससे होता है?

A) चाँदनी से

B) बादलों से

C) ढलते सूरज की आग से

D) दीपक की लौ से

उत्तर: C) ढलते सूरज की आग से

9. 'यह दीप अकेला' कविता का प्रमुख भाव क्या है?

A) निराशा

B) व्यक्तिवाद और सामाजिकता का संतुलन

C) करुणा

D) शृंगार

उत्तर: B) व्यक्तिवाद और सामाजिकता का संतुलन

SOLANKI SIR

10. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता का मूल विषय क्या है?

A) समुद्र की विशालता

B) क्षणभंगुरता और जीवन का सत्य

C) प्रकृति का सौंदर्य

D) संघर्ष

उत्तर: B) क्षणभंगुरता और जीवन का सत्य

---

10 एक-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. **प्रश्न:** 'यह दीप अकेला' के कवि कौन हैं?
   उत्तर: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।
2. **प्रश्न:** अज्ञेय किस साहित्यिक धारा से जुड़े हैं?
   उत्तर: प्रयोगवाद / नई कविता।
3. **प्रश्न:** 'यह दीप अकेला' में दीप किसका प्रतीक है?
   उत्तर: व्यक्ति का।
4. **प्रश्न:** कविता में दीप को किसमें शामिल करने की बात कही गई है?
   उत्तर: पंक्ति (समूह/समाज) में।
5. **प्रश्न:** 'मैंने देखा, एक बूँद' में बूँद किसका प्रतीक है?
   उत्तर: जीवन के क्षण का।
6. **प्रश्न:** बूँद किससे रंग जाती है?
   उत्तर: ढलते सूरज की आग से।
7. **प्रश्न:** 'यह दीप अकेला' का मुख्य संदेश क्या है?
   उत्तर: व्यक्ति को समाज से जुड़ना चाहिए।
8. **प्रश्न:** अज्ञेय की कविता में प्रमुख विचार क्या है?
   उत्तर: व्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी सामाजिक भूमिका।
9. **प्रश्न:** 'मैंने देखा, एक बूँद' में किस भाव का बोध होता है?
   उत्तर: क्षणभंगुरता का।
10. **प्रश्न:** अज्ञेय को कौन-सा प्रमुख साहित्यिक पुरस्कार मिला है?
    उत्तर: भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार।

SOLANKI SIR

10 तीन-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. 'यह दीप अकेला' कविता का मूल भाव क्या है?
उत्तर: यह कविता व्यक्ति और समाज के संबंध को बताती है।
व्यक्ति अकेला होते हुए भी पूर्ण है।
पर उसकी सार्थकता समाज से जुड़ने में है।

2. कविता में दीप को 'अकेला' क्यों कहा गया है?
उत्तर: दीप व्यक्ति का प्रतीक है।
व्यक्ति अपने आप में पूर्ण होते हुए भी अकेला है।
उसे पंक्ति में शामिल होना चाहिए।

3. 'मैंने देखा, एक बूँद' में बूँद का क्या अर्थ है?
उत्तर: बूँद जीवन के एक क्षण का प्रतीक है।
वह क्षणिक है और तुरंत बदल जाता है।
यह जीवन की नश्वरता बताती है।

4. बूँद का ढलते सूरज की आग से रंगना क्या दर्शाता है?
उत्तर: यह क्षण की सुंदरता और अस्थिरता दिखाता है।
क्षण भर में रंग बदल जाता है।
जीवन भी इसी तरह क्षणभंगुर है।

5. 'यह दीप अकेला' में सामाजिकता का क्या महत्व बताया गया है?
उत्तर: व्यक्ति अकेला रहकर सीमित हो जाता है।
समाज से जुड़कर उसकी शक्ति बढ़ती है।
यही कविता का मुख्य संदेश है।

6. अज्ञेय की कविता की विशेषता क्या है?
उत्तर: उनकी कविता विचारप्रधान है।
उसमें प्रतीकों का सुंदर प्रयोग है।
और जीवन-दर्शन की गहराई है।

7. 'यह दीप अकेला' में दीप को शक्तिशाली क्यों कहा गया है?
उत्तर: दीप में सभी गुण और शक्ति निहित हैं।
वह अकेला होकर भी पूर्ण है।
फिर भी उसे समाज से जुड़ना चाहिए।

SOLANKI SIR

8. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता का दार्शनिक भाव क्या है?

उत्तर: यह कविता क्षण के महत्व को बताती है।
क्षणभंगुरता जीवन का सत्य है।
मनुष्य को इसे समझना चाहिए।

9. दोनों कविताओं में समान विचार क्या है?

उत्तर: दोनों में जीवन का दार्शनिक पक्ष है।
एक में सामाजिकता का संदेश है।
दूसरी में क्षणभंगुरता का बोध है।

10. अज्ञेय का साहित्यिक महत्व बताइए।

उत्तर: वे प्रयोगवाद के प्रमुख कवि हैं।
उन्होंने हिंदी कविता को नई दिशा दी।
उनकी रचनाएँ विचार और प्रतीक से समृद्ध हैं।

---

10 दीर्घ प्रश्न-उत्तर

1. 'यह दीप अकेला' कविता का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: इस कविता में कवि दीप के माध्यम से व्यक्ति का प्रतीक प्रस्तुत करता है। दीप अपने आप में पूर्ण, शक्तिशाली और गुणों से भरपूर है, फिर भी अकेला है। कवि चाहता है कि यह दीप पंक्ति में, अर्थात समाज में, शामिल हो। व्यक्ति की सार्थकता समाज से जुड़ने में है। इस प्रकार कविता व्यक्तिवाद और सामाजिकता के संतुलन का संदेश देती है।

2. 'यह दीप अकेला' में दीप के प्रतीकात्मक अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: दीप व्यक्ति का प्रतीक है। वह स्नेह, गर्व और शक्ति से भरा है, अर्थात व्यक्ति में सभी गुण और सामर्थ्य होते हैं। फिर भी अकेले रहने पर उसकी शक्ति सीमित रह जाती है। समाज में शामिल होकर ही उसकी उपयोगिता और सार्थकता बढ़ती है।

3. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस कविता में कवि एक बूँद को देखकर जीवन की क्षणभंगुरता का बोध करता है। बूँद क्षण भर के लिए ढलते सूरज की आग से रंग जाती है और फिर विलीन हो जाती है। यह जीवन के क्षणिक और नश्वर होने का प्रतीक है।

4. 'बूँद' और 'सागर' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर: बूँद व्यक्ति या जीवन के एक क्षण का प्रतीक है और सागर विराट सत्य या ब्रह्म का। बूँद का सागर से अलग दिखना नश्वरता का बोध कराता है, जबकि सागर स्थायित्व और अनंतता का प्रतीक है। इससे कवि जीवन के सत्य को समझाता है।

SOLANKI SIR

5. अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए।

उत्तर: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख कवि हैं। उन्होंने कविता के साथ-साथ कहानी, उपन्यास, यात्रा-वृत्तांत और निबंध भी लिखे। उनकी रचनाओं में व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्मबोध और दार्शनिक दृष्टि प्रमुख है। उन्हें ज्ञानपीठ सहित कई पुरस्कार मिले।

6. 'यह दीप अकेला' कविता में व्यक्तिवाद और सामाजिकता का संबंध स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कविता में व्यक्ति को पूर्ण और शक्तिशाली माना गया है, पर उसकी सार्थकता समाज से जुड़ने में बताई गई है। अकेला व्यक्ति सीमित है, जबकि समाज में जुड़कर उसकी शक्ति बढ़ जाती है। इस प्रकार कविता व्यक्तिवाद और सामाजिकता के संतुलन की बात करती है।

7. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता की दार्शनिक विशेषता लिखिए।

उत्तर: यह कविता जीवन की क्षणभंगुरता और नश्वरता को दर्शाती है। बूँद का क्षणिक रंगना और फिर विलीन हो जाना जीवन के अस्थायी स्वरूप का प्रतीक है। कविता मनुष्य को क्षण के महत्व और जीवन की सच्चाई का बोध कराती है।

8. अज्ञेय की काव्य-भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: अज्ञेय की भाषा प्रतीकात्मक, विचारप्रधान और आधुनिक है। वे नए अर्थ और नए प्रतीकों का प्रयोग करते हैं। उनकी भाषा में दार्शनिक गहराई और बौद्धिकता का सुंदर समन्वय मिलता है।

9. दोनों कविताओं का तुलनात्मक भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: 'यह दीप अकेला' में सामाजिकता और व्यक्ति के संबंध पर बल है, जबकि 'मैंने देखा, एक बूँद' में जीवन की क्षणभंगुरता और नश्वरता का बोध है। दोनों कविताएँ दार्शनिक हैं और जीवन के गहरे सत्य को उजागर करती हैं।

10. इन कविताओं का साहित्यिक महत्व लिखिए।

उत्तर: ये दोनों कविताएँ आधुनिक हिंदी कविता की महत्वपूर्ण रचनाएँ हैं। इनमें प्रतीक, विचार और दर्शन का सुंदर मेल है। अज्ञेय की काव्य-दृष्टि और प्रयोगशीलता इन कविताओं के माध्यम से स्पष्ट होती है, जिससे हिंदी कविता को नई दिशा मिली।

SOLANKI SIR